RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

सेवक बैच

HISTORY

वैदिक सभ्यता

PART-03

LIVE 10-02-2024 09:00 AM

④ अथर्ववेद :- वशीकरण, जादू टोना, भूत-प्रेत व औषधियाँ

⇒ अथर्ववेद को ब्रह्मवेद (श्रेष्ठ वेद) भी कहा जाता है, अथर्वा ऋषि के नाम पर इस वेद का नाम अथर्ववेद पड़ा

⇒ अथर्ववेद का ब्राह्मण :- गोपथ

⇒ अथर्ववेद में कुरु के राजा परीक्षित का उल्लेख मिलता है।

⇒ काशी का प्राचीनतम उल्लेख अथर्ववेद में मिलता है।

⇒ उपवेद :- शिल्पवेद

⇒ उपनिषद् : कुल संख्या :- 108

⇒ उपनिषदो को 'भारतीय दर्शन का स्त्रोत या जनक' कहा जाता है।

⇒ बृहदारण्यकोपनिषद में अश्वमेध यज्ञ की विवेचना की गई है।

⇒ कठोपनिषद : यम व नचिकेत के संवाद का वर्णन है।

IMP

⇒ भारत का आदर्श वाक्य :- सत्यमेव जयते - मुंडकोपनिषद

⇒ **वेदांग** :- अर्थ :- वेदो की सहायक विद्या

→ **Number** :- ⑥

① शिक्षा
② व्याकरण
③ छंद
④ कल्पसूत्र
⑤ निरुक्त
⑥ ज्योतिष

⇒ संस्कार :- ⑯

उत्तर वैदिक काल : (1000 ईसा पूर्व – 600 ईसा पूर्व)

⇒ कुरु व पांचाल को आर्य संस्कृति की धुरी कहा जाता था।

उत्तर वैदिक सामाजिक व्यवस्था :

⇒ स्थायी जीवन शुरु हुआ, वर्ण व्यवस्था जन्म आधारित हो गयी। → ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शुद्र

⇒ उत्तर वैदिक काल में सर्वप्रथम 'छांदोग्य उपनिषद' में 3 आश्रमों की जानकारी मिलती है।

① ब्रह्मचर्य आश्रम
② गृहस्थ आश्रम
③ वानप्रस्थ आश्रम

⇒ गार्गी, मैत्रेयी विदुषी महिलाओं का उल्लेख :

⇒ गोत्र प्रथा उत्तरवैदिक काल में स्थापित हुई।

वैदिक कालीन शब्दावली :

⇒ वैदिक शब्द	वर्तमान शब्द
⇒ गोधूम —	गेहूँ
↳ व्रीहि :-	धान

⇒ तन्दुल — चावल

⇒ यव — जौ

⇒ गविष्टि :- गायों की खोज

⇒ पणि — व्यापारी, गायों के लुटेरे

⇒ उर्वरा — जुते हुए खेत

⇒ गोमत → गायों के स्वामी

कीनाश – हल चलाने वाले को

प्रमुख दर्शन एवं प्रतिपादक :

① सांख्य दर्शन :- कपिल मुनि :- भारत का सबसे प्राचीन दर्शन स्रोत है।

② योग दर्शन :- पंतजलि :- विश्व में सर्वाधिक प्रचारित भारतीय दर्शन स्रोत है।

③ न्याय दर्शन :- गौतम

④ वैशेषिक दर्शन :- कणाद | उलूक

⑤ पूर्व मीमांसा :- जैमिनी

⑥ उत्तर मीमांसा :- बादरायण

⇒ अथर्ववेद के मंत्रों का उच्चारण करने वाले पुरोहित को ब्रह्म कहा जाता है।

⇒ अथर्ववेद में सभा एवं समिति को प्रजापति की दो पुत्रियाँ कहा गया है।